लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

संसद सदस्यों ने डॉ. बलराम जाखड़ को श्रद्धाजलि दी

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 2019 : लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला; राज्य सभा में विपक्ष के नेता श्री गुलाम नबी आजाद तथा संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रह्लाद सिह पटेल ने आज लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. बलराम जाखड़ की जयंती के अवसर पर संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

अनेक संसद सदस्यों, पूर्व संसद सदस्यों और लोक सभा की महासचिव, श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव ने भी डॉ. जाखड़ को पुष्पांजलि अर्पित की।

23 अगस्त, 1923 को पंजाब राज्य के फिरोजपुर जिले के पंजकोसी गाँव में जन्मे, डॉ. बलराम जाखड़ को 22 जनवरी, 1980 को सातवीं लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। डॉ. जाखड़ को सातवीं लोक सभा में पहली बार निर्वाचित होने के तुरंत बाद अध्यक्ष पद पर आसीन होने के साथ संसद में अपने करियर की शुरुआत करने का गौरव प्राप्त है। 16 जनवरी, 1985 को उन्हें एक बार फिर सर्वसम्मति से आठवीं लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। दिसंबर, 1989 में जब डॉ. जाखड़ ने अध्यक्ष पद छोड़ा तो वह स्वतंत्र भारत के एकमात्र ऐसे अध्यक्ष थे, जिन्हें लगातार दो लोक सभाओं का पूर्णकालिक अध्यक्ष रहने का दुर्लभ सम्मान प्राप्त था।

कृषक से राजनीतिज्ञ बनने वाले डा. जाखड़ लोक सभा अध्यक्ष के उच्च पद की कठिन चुनौतियों पर खरे उतरे और उन्होंने सभा का कार्य संचालन पूर्ण गरिमा, शालीनता और निष्पक्षता के साथ किया। दृढ़ होने के साथ ही वह सभा की भावनाओं के प्रति संवेदनशील रहते थे। उन्होंने सभा के निर्विघ्न और सुव्यवस्थित कार्य संचालन और इस प्रकार देश - विदेश में संसद की उत्कृष्ट छवि प्रस्तुत करने के कार्य में सदस्यों के सहयोग पर जोर दिया।

1991 के आम चुनाव में डा. जाखड़ एक बार फिर सीकर निर्वाचन क्षेत्र से लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए और नई सरकार में केंद्रीय कृषि मंत्री बने। उन्होंने संसद और सरकार में रहकर कृषक समुदाय के हितों को सफलतापूर्वक सबके सामने रखा और उनकी रक्षा भी की।

डॉ. जाखड़ का 3 फरवरी, 2016 को निधन हो गया।

PARLIAMENTARIANS PAY TRIBUTES TO DR. BAL RAM JAKHAR

New Delhi, 23 August 2019: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla; Leader of Opposition in Rajya Sabha Shri Ghulam Nabi Azad and Minister of State (Independent Charge) for Culture and Tourism Shri Prahalad Singh Patel paid floral tributes at the portrait of the former Speaker of Lok Sabha Dr. Bal Ram Jakhar in the Central Hall of Parliament House on his Birth Anniversary, today.

Several Members of Parliament, former Members of Parliament and the Secretary-General of Lok Sabha Smt. Snehlata Shrivastava also paid floral tributes to Dr. Jakhar.

Born on 23 August 1923 at Panjkosi village in the Ferozepur district of the State of Punjab, Dr. Bal Ram Jakhar was elected the Speaker of the Seventh Lok Sabha on 22 January 1980. Dr. Jakhar has the distinction of beginning his career in the Parliament by occupying the office of the Speaker immediately after his election to the Seventh Lok Sabha for the first time. On 16 January 1985, he was re-elected once again unanimously, to be the Speaker of the Eighth Lok Sabha. When Dr. Jakhar relinquished the office of the Speaker in December 1989, he earned the rare distinction of being the only Speaker in independent India to have presided over two successive Lok Sabhas for their full terms.

A farmer-turned politician, Jakhar lived fully upto the challenges of the august office of Speaker, Lok Sabha and conducted the business of the House with utmost dignity, decorum and objectivity. Firm, but at the same time sensitive to the mood of the House, he laid stress on the cooperation of the members in the smooth and orderly conduct of the House and thereby in projecting a healthy image of the Parliament to the country and outside.

In the General Elections of 1991, Bal Ram Jakhar was once again elected to the Lok Sabha from the Sikar constituency and became the Union Minister of Agriculture in the new Government. In Parliament and in the Government, he successfully projected and protected the interests of the farming community.

Dr. Jakhar breathed his last on 3 February 2016.